लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ करें कार्रवाई

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में सीएम ने दिए निर्देश

दूसरे राज्यों के नवाचारों को अपनाने कार्ययोजना बनाएं

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 1 जून. प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं और कार्यक्रमों को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी. ऐसे मामलों में संबंधितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को मंत्रालय में विभाग की समीक्षा की.

इस दौरान उन्होंने साफ किया कि मैदानी स्तर पर बेहतर कार्य करने वालों को एकतरफ प्रोत्साहित करें तो वहीं लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई भी करें.

बैठक में सीएम ने कहा कि विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन में अधिक से अधिक जन भागीदारी और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए. महिलाओं और बच्चों के कल्याण से संबंधित योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार हो. बच्चों और महिलाओं में पोषण स्तर को बेहतर करने के लिए संचालित गतिविधियों में स्वास्थ्य, स्कूल शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित निजी अस्पतालों और संस्थाओं को भी जोड़ा जाए. इस दिशा में अन्य राज्यों और प्रदेश के जिलों में हो रहे सफल नवाचारों को अपनाने के लिए भी कार्ययोजना बनाई जाए. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन औद्योगिक इकाइयों में महिला कर्मियों की संख्या अधिक है, उन इकाइयों में कामकाजी महिलाओं के लिए पीपीपी मोड पर हॉस्टल निर्माण की कार्ययोजना बनाई जाए. बैठक में बताया गया कि देवास, नर्मदापुरम, झाबुआ और सिंगरौली में वर्किंग वुमेन हॉस्टल का निर्माण प्रारंभ हो गया है. प्रताड़ित महिलाओं को सहायता उपलब्ध कराने के लिए पांढुर्णा, मऊगंज, मैहर, पेटलावद-झाबुआ, इंदौर के लसूड़िया और सांवेर एवं धार के मनावर और पीथमपुर में वन स्टॉप सेन्टर स्वीकृत किए गए हैं. चाइल्ड हेल्पलाइन अंतर्गत 51 जिला स्तरीय और एक राज्य स्तरीय हेल्प सेंटर के माध्यम से 66 हजार से अधिक बच्चों को सहायता उपलब्ध कराई गई. जोखिम ग्रस्त बच्चों की मैपिंग के लिए 13 जिलों में प्रक्रिया जारी है.

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बीमा योजना के दायरे में

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 5 से 6 आयु वर्ग के 9 लाख 28 हजार बच्चों के लिए विद्यारंभ आयोजित कर उन्हें विद्यारंभ प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया गया और बच्चों का शाला में सुगम प्रवेश सुनिश्चित किया गया. वहीं सक्षम आंगनवाड़ी उन्नयन के के तहत प्रदेश में एक साथ 12 हजार 670 मिनी केंद्रों को मुख्य आंगनवाड़ी के रूप में उन्नत कर मप्र देश में अग्रणी बना है. बैठक में बताया गया कि प्रदेश की सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को बीमा योजना से लाभान्वित किया गया है.

प्री-मानसून के सक्रिय होने से बदला मौसम का मिजाज

जिलों में अरेंज और यलो अलर्ट जारी

हवा के साथ भोपाल में हुई बूंदाबांदी

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 01 जून. मप्र में प्री-मानसून के सक्रिय होने से मौसम का मिजाज बदला रहा है. जून महीने के शुरुआत के पहले दिन भीषण गर्मी से लोगों को राहत महसूस हुई. दोपहर के समय तक सूरज और बादलों की आंख मिचौली के बाद बादलों के छाने से हवा में ठंडक का एहसास हुआ.

भोपाल में शाम के करीब 4 बजे के बाद मौसम पूरी तरह ठंडा रहा. इस दौरान कहीं कहीं हल्की बूंदाबांदी भी हुई. इंदौर में धूल भरी आंधी चली. आंधी चलने से कई स्थानों पर पेड़ और बिजली के पोल भी गिर गए. इसके साथ प्रदेश के मंदसौर, नीमच, छतरपुर और टीकमगढ़ में तेज हवाओं के चलने और वज्रपात की संभावना को देखते हुए मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया था. आगामी 2-3 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के पूर्व अरब सागर के कुछ और भागों, लक्षद्वीप क्षेत्र, केरल एवं तमिलनाडु के कुछ भागों, दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य एवं उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ और भागों तथा दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के शेष भागों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं.

5 जून तक आंधी, बारिश की संभावना

मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएस तोमर की मानें तो इस साल मानसून अपनी सामान्य गति से आगे बढ़ रहा है. यदि मानसून की रफ्तार इसी तरह बनी रही, तो 15 से 20 जून के बीच मानसून मध्य प्रदेश में प्रवेश कर जाएगा. सीहोर और आसपास के जिलों में 20 से 22 जून तक अधिकारिक रूप से मानसून के सक्रिय होने की पूरी संभावना है. तब तक जिले में इसी तरह की प्री-मानसून बौछारें रुक-रुक कर देखने को मिलती रहेंगी, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलती रहेगी.

कांतिदेवी नायक की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

विशेष संवाददाता

भोपाल. मध्य प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक की माताजी कांतिदेवी नायक की स्मृति में सोमवार को शिवाजी नगर (5 नंबर) स्थित सिंधु भवन में एक विशाल श्रद्धांजलि एवं शोकसभा का आयोजन किया गया. कांतिदेवी नायक का 20 मई को निधन हो गया था. सभा में भोपाल सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं. इस अवसर पर वक्ताओं ने कांतिदेवी नायक के सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, उच्च जीवन मूल्यों और समाजसेवा के प्रति समर्पित परिवार के निर्माण में उनके योगदान को स्मरण किया. कांग्रेस नेताओं ने उनके निधन को संगठन और उनसे जुड़े लोगों के लिए व्यक्तिगत क्षति बताया. कार्यक्रम के अंत में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई तथा दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए.

तीन जिलों के नोडल अधिकारी बदले

कृषि उत्पादकता के साथ ही विविधीकरण को दिया जाएगा बढ़ावा

100 जिलों में मप्र के उमरिया, अलीराजपुर भी शामिल

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 1 जून. प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना में प्रदेश के चयनित तीन जिलों के लिए राज्य सरकार ने जिला नोडल अधिकारी बदल दिए हैं.

ये योजना केंद्र और राज्य सरकार के लिए कितना महत्वपूर्ण है यह इस बात से पता चलता है कि पहले भी इन जिलों के लिए आईएएस अफसरों को ही नोडल अधिकारी बनाया गया था, इस बार भी आईएएस अफसरों को ही जिम्मेदारी दी गई है. सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश में जिला उमरिया में अजय गुप्ता के स्थान पर संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास उमाशंकर भार्गव, अलीराजपुर में सुश्री निधी निवेदिता के स्थान पर उपसचिव, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग दिलीप कुमार कापसे एवं अनूपपूर में राहुल धोटे के स्थान पर उपसचिव, किसान कल्याण तथा कृषि विकास रोहित सिसोनिया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है.

यहां बता दें कि इस योजना में देश के सौ ऐसे जिलो का चयन किया गया है, जहां प्रति व्यक्ति उत्पादकता कम है या फिर कम फसल सघनता है.

इसी तरह इन जिलों में ऋण वितरण भी कम है. इस योजना में मप्र के तीन जिलों को शामिल किया गया है. योजना के तहत इन जिलों में उत्पादकता बढ़ाने के साथ ही, फसल विविधीकरण को बढ़ाया जाएगा, विशेष रूप से दाल, फल, सब्जी को बढ़ावा देने के साथ ही पशुपालन को भी बढ़ावा दिया जाएगा. इसी तरह भंडारण को मजबूत करने के साथ ही सिंचाई सुविधा को भी बेहतर किया जाएगा. इसके लिए जिले में जिला धन-धान्य समिति गठित होगी. जिला कृषि योजना बनेगी.

निवेश का झांसा देकर ठगे साढ़े तीन लाख

धार. जिले के नौगांव थाना क्षेत्र में टेलीग्राम लिंक के माध्यम से निवेश पर अधिक लाभ का लालच देकर एक युवक से लगभग साढ़े तीन लाख रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है. पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. ग्राम उटावद निवासी चिंटू नायक से 23 मई की रात अज्ञात व्यक्ति ने टेलीग्राम के माध्यम से संपर्क किया. आरोपी ने घर बैठे निवेश कर अधिक लाभ कमाने का झांसा दिया और एक लिंक भेजकर कथित लाभ खाता एवं पासवर्ड बनवाया. आरोपी ने युवक से अलग-अलग किस्तों में कुल 3 लाख 45 हजार 839 रुपये जमा करवा लिए.

लापरवाह स्वास्थ्य कर्मियों पर गिरी गाज

सिंगरौली. शासकीय कार्यों में लापरवाही, अनुशासनहीनता और बिना सूचना ड्यूटी से नदारद रहने वाले कर्मचारियों के खिलाफ जिला प्रशासन बेहद सख्त रुख अपना रहा है. इसी कड़ी में विकासखंड चितरंगी के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कर्थुआ में पदस्थ फार्मासिस्ट अनुराग द्विवेदी को बिना स्वीकृत अवकाश के ड्यूटी से गायब रहने पर एक दिन का वेतन काटने की दंडात्मक कार्रवाई की गई है.

तत्काल रोका जाए टावर निर्माण : अजय

किसानों की जमीन पर बिना सहमति के लगा रहें टावर

विशेष संवाददाता

भोपाल, 01 जून. पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने सीधी जिले के चुरहट क्षेत्र में किसानों की जमीन पर उनकी सहमति के बिना पावर ट्रांसमिशन परियोजना के लिए ट्रांसमिशन टावर लगाए जाने का आरोप लगाते हुए निर्माण कार्य तत्काल रोकने की मांग की है.

उन्होंने इसे गैर-कानूनी, दमनकारी और किसानों के अधिकारों का सीधा उल्लंघन बताया. अजय ने आरोप लगाया कि अडानी समूह से जुड़ी कंपनी के कर्मचारी किसानों की अनुमति के बिना खेतों में प्रवेश कर रहे हैं तथा खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं. उन्होंने कहा कि विरोध करने वाले किसानों के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है और झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकियां दी जा रही हैं. उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से चर्चा कर हस्तक्षेप की मांग की है. किसानों की सहमति प्राप्त होने और मुआवजे से जुड़े विवादों का समाधान होने तक महान पावर ट्रांसमिशन परियोजना के तहत टावर निर्माण का कार्य रोका जाना चाहिए.

करेंगे चक्काजाम और जन-आंदोलन...

उन्होंने कहा कि प्रभावित किसान शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप वर्तमान बाजार मूल्य से चार गुना मुआवजे की मांग कर रहे हैं, जो पूरी तरह नियमसम्मत है. अजय सिंह ने प्रशासन पर कंपनी के दबाव में कार्य करने का आरोप लगाते हुए किसानों के साथ न्याय सुनिश्चित करने की मांग की. कांग्रेस किसानों के साथ खड़ी है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों के अधिकारों की अनदेखी की गई तो पूरे क्षेत्र में चक्का जाम और व्यापक जन-आंदोलन चलाया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी.

पटवारी के खिलाफ टिप्पणी पर कांग्रेस नाराज

सीएम की टिप्पणी पर वरिष्ठ नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की

विशेष संवाददाता

भोपाल, 01 जून. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर की गई टिप्पणी को लेकर मध्य प्रदेश की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है. मुख्यमंत्री के बयान के खिलाफ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे संवैधानिक पद की गरिमा के विपरीत बताया है.

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि किसी गरिमामय संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को राजनीतिक विरोधियों के प्रति ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए.

उन्होंने कहा कि उच्च पदों पर आसीन जनप्रतिनिधियों से लोकतांत्रिक मूल्यों और राजनीतिक मर्यादा के पालन की अपेक्षा की जाती है. पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भी मुख्यमंत्री के बयान की निंदा करते हुए कहा कि डॉ. मोहन यादव को अपने पद की गरिमा बनाए रखनी चाहिए. उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और उसके नेताओं के खिलाफ अत्यंत आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया है. कमलनाथ ने कहा कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद सार्वजनिक जीवन में शालीनता और संयम बना रहना चाहिए. विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि यदि उन्हें "रद्दी" और "दो कौड़ी का" कहा जा रहा है तो उन्हें इस बात पर गर्व है कि वे एक किसान के बेटे हैं.

कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने मुख्यमंत्री की टिप्पणी को अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि जीतू पटवारी देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन मुख्यमंत्री को अपने संवैधानिक पद की गरिमा बनाए रखते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए. प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. विक्रम चौधरी ने भी मुख्यमंत्री की टिप्पणी को संवैधानिक पद की मर्यादा के प्रतिकूल बताते हुए तत्काल माफी की मांग की. उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए राजनीतिक संवाद में शिष्टाचार और गरिमा का पालन आवश्यक है.

34 .80 करोड़ से गुना स्टेशन का कायाकल्प

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 01 जून. भारतीय रेलवे के अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत भोपाल मंडल का गुना रेलवे स्टेशन तेजी से विकसित किया जा रहा है. इस परियोजना के माध्यम से स्टेशन को आधुनिक स्वरूप प्रदान करते हुए यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी. वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत किए जा रहे विकास कार्यों का उद्देश्य यात्रियों को आधुनिक, स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुगम यात्रा अनुभव प्रदान करना है. गुना स्टेशन का पुनर्विकास क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई गति प्रदान करेगा. भोपाल मंडल द्वारा परियोजना की नियमित निगरानी की जा रही है तथा कार्यों को निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के प्रयास किए जा रहे हैं. कार्य पूर्ण होने पर गुना स्टेशन आधुनिक रेलवे अवसंरचना का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरेगा और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएगा. गुना स्टेशन, जो कि एनएसजी-4 श्रेणी का महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन है, पर लगभग 34.80 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास एवं उन्नयन कार्य प्रगति पर हैं. इन कार्यों के पूर्ण होने के बाद स्टेशन की आधारभूत संरचना में व्यापक सुधार होगा.

पूर्व सैनिकों ने एसपी कार्यालय का घेराव किया

भिण्ड. जिले में पूर्व सैनिकों ने पूर्व सैनिक हरिदास दैपुरिया की पत्नी सुशीला देवी हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने के विरोध में पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया. इस दौरान पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की गई और शीघ्र कार्रवाई की मांग उठाई गई. पूर्व सैनिक संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि भिण्ड देहात थाना क्षेत्र के कल्याणपुर निवासी पूर्व सैनिक हरिदास दैपुरिया की पत्नी सुशीला देवी की 15 अप्रैल 2025 को हत्या कर दी गई थी. आरोपियों द्वारा घर से नकदी और जेवरात भी ले जाए गए थे. घटना के लंबे समय बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से पूर्व सैनिकों में नाराजगी है.

सिंहस्थ की तैयारियां तेज

विशेष संवाददाता

भोपाल. सिंहस्थ-2028 के सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस ने राज्यव्यापी प्रशिक्षण अभियान शुरू कर दिया है.

करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों और इकाइयों में पदस्थ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया है. उप पुलिस महानिरीक्षक (कानून-व्यवस्था) तरुण नायक ने बताया कि पुलिस लाइन उज्जैन में 22 अप्रैल से 15 मई 2026 तक आयोजित "ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स" कार्यक्रम में चयनित अधिकारियों और कर्मचारियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया था.

ट्विशा शर्मा के 80 किलो वजन के पुतले के साथ सीन री - क्रिएशन

गिरिबाला और समर्थ को लेकर पहुंची सीबीआई

04 दिन से हो रही है आरोपियों से पूछताछ

03 दिन तक भोपाल में ही रूका था समर्थ सिंह

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 01 जून. सीबीआई की टीम सोमवार को ट्विशा शर्मा मौत के मामले में कटारा हिल्स स्थित पूर्व जज गिरिबाला सिंह के आवास पर पहुंची. घटना की जांच करते हुए सीबीआई ने ट्विशा के बनवाए गए पुतले को लेकर सीन री- क्रिएशन किया. इस दौरान आरोपी गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह भी मौजूद रहे.

जानकारी के मुताबिक आरोपियों की मौजूदगी में ही अधिकारियों ने करीब 80 किलो वजन की बने पुतले को फंदे पर लटका और उतार कर सीन री-क्रिएशन किया और उस समय की स्थिति को जानने की कोशिश भी की. सीबीआई के अधिकारियों ने इस दौरान घटना के समय मौजूद घर के सामानों को उसी तरह से रखवाए भी. सीबीआई ने यह सीन री- क्रिएशन तब किया, जब आरोपियों से करीब 4 दिन की पूछताछ हुई और उनके तब के बयान और बाद के बयान को स्पष्ट किया जा सके. दोनों ही आरोपियों के बयान घटना के दिन और घटना के बाद से कितना मेल खाते हैं. इसका भी अधिकारियों की तरफ से क्रास चेक किया गया. बताया गया है कि समर्थ ने घटना के दौरान बताया था कि उसने ही ट्विशा को फंदे से उतारा था, जबकि मां गिरिबाला ने फंदे की गांठ खोली थी. पूरे मामले की गहनता से सीबीआई जांच जारी है.

खबर सामने आई है कि सीबीआई के अधिकारियों ने ट्विशा का पुतला तैयार करने का निर्णय तब लिया, जब दोनों ही आरोपियों से घटना के दौरान की गई पूछताछ और बाद में की गई पूछताछ में कुछ संदेह हुआ. इसके साथ ही...

आज कोर्ट में पेश हो सकते हैं आरोपी

ट्विशा की मौत के मामले में आरोपी रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह को सीबीआई मंगलवार को दोपहर बाद कोर्ट में पेश कर सकती है. दोनों ही आरोपियों की रिमांड़ 2 जून को पूरी हो रही है. गिरिबाला सिंह की गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने दोनों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर मांगा था. कोर्ट ने दोनों ही आरोपियों को 5 दिन के रिमांड पर भेजा था. कोर्ट में आरोपियों की रिमांड़ बढाने के लिए सीबीआई के अधिकारी मांग कर सकते हैं.

डॉक्टर से भी पूछताछ

मामले में ट्विशा का गर्भपात कराने वाले डॉक्टर को भी इस पूरे मामले में खास तौर पर देखा जा रहा है. आरोप है कि ट्विशा ने गर्भधारण के बाद जिस डाक्टर के पास चेकअप कराया था. उस डाक्टर ने गर्भपात कराने की सलाह दी थी. सीबीआई के अधिकारियों ने संबंधित डॉक्टर को भी पूछताछ के लिए तलब किया है.

पेज एक का शेष

12 साल बाद कर्क राशि में आएंगे देवगुरु बृहस्पति

वृश्चिक -भाग्य का साथ मिलेगा. उच्च शिक्षा, धार्मिक यात्राओं और विदेश से जुड़े मामलों में सफलता मिल सकती है. धनु-अचानक धन लाभ और जीवन में बड़े बदलाव संभव हैं. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. मकर - विवाह और साझेदारी से जुड़े मामलों में शुभ परिणाम मिल सकते हैं. दांपत्य जीवन बेहतर होगा. कुंभ-प्रतियोगी परीक्षाओं, नौकरी और कानूनी मामलों में सफलता मिलने के योग हैं. मीन-शिक्षा, प्रेम, संतान और रचनात्मक कार्यों में सफलता प्राप्त हो सकती है. निवेश से भी लाभ मिल सकता है. **किन राशियों को होगा सबसे अधिक लाभ?** गुरु के इस उच्च गोचर से कर्क, कन्या, तुला, वृश्चिक और मीन राशि के जातकों को विशेष लाभ मिलने की संभावना है. करिअर, धन, विवाह, शिक्षा और भाग्य के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं. यह फलादेश वैदिक ज्योतिष के पारंपरिक सिद्धांतों पर आधारित सामान्य विश्लेषण है. व्यक्तिगत कुंडली के अनुसार परिणाम भिन्न हो सकते हैं.

पेज तीन का शेष

ट्विशा शर्मा के 80 किलो वजन के पुतले के साथ सीन री - क्रिएशन

घटना स्थल पर देखे गए फंदे की ऊंचाई और ट्विशा का उस ऊंचाई तक पहुंच पाना कितना कठिन या आसान था. ट्विशा के पुतले का वजन 80 किलो करने के लिए उसमें रेत भरी गई. इसके साथ ही और पुतले के बने पांव पर लोहे के डंबल भी बांधे गए. दोपहर के करीब दो घंटे तक अधिकारियों ने सीन री- क्रिएशन किया. ट्विशा की मौत के मामले में सीबीआई के अधिकारियों को पति समर्थ सिंह के बारे में भी खास जानकारी लगी है. बताया जा रहा है कि घटना के बाद समर्थ करीब 3 दिन तक भोपाल में ही रूका था. इसके बाद वह जबलपुर पहुंच गया था और वहां पांच दिन रूका. इस दौरान समर्थ का साथ देने वाले लोगों को भी आरोपी बनाने की तैयारी की जा रही है. गवाह के साथ मारपीट : यह भी जानकारी सामने आई है कि ट्विशा की मौत के मामले में बनाए गए गवाह के साथ आरोपी समर्थ के दोस्तों ने मारीपीट भी की है.